

# UPSC & ALL STATE PCS EXAM

**RM**<sup>TM</sup>  
Result Mitra

# DAILY CURRENT AFFAIRS

## 28 DECEMBER 2024

- ◆ अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं
- ◆ लद्दाख का लोसर उत्सव
- ◆ हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष
- ◆ बल्ड इंगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया
- ◆ सरदार उधम सिंह

● LIVE 8:00 AM

Er. Ravi Mohan Sharma Sir

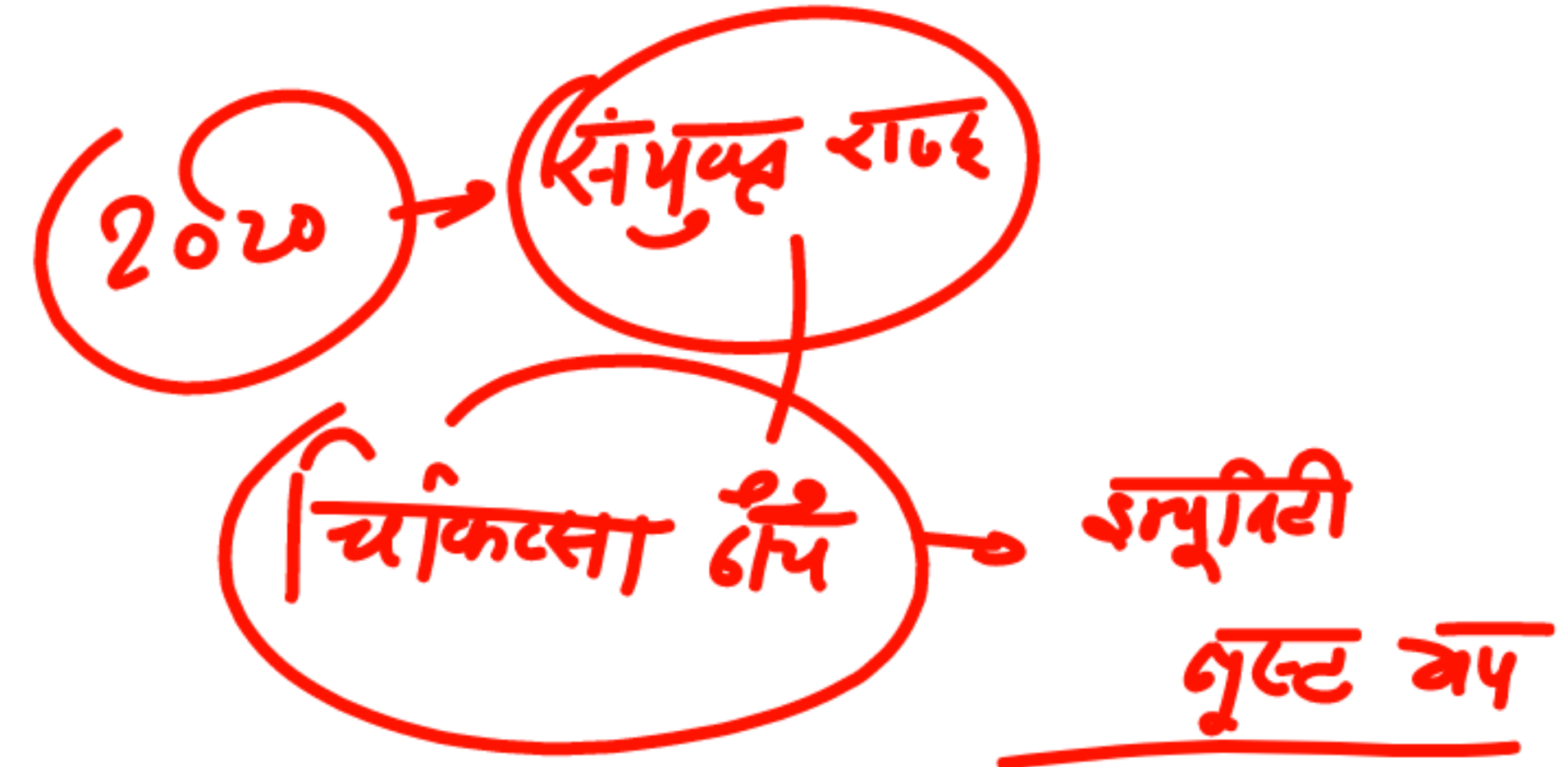




### अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं

#### चर्चा में क्यों?

● अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस हर साल 27 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य महामारी से निपटने की तैयारियों के महत्व को उजागर करना और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है।





### अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं

#### प्रमुख बिंदु:

- इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना और भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहना है।
- 2020 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस की शुरुआत की, कोविड-19 महामारी के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए।



### अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं

#### प्रमुख बिंदु:

- यह दिन महामारी की रोकथाम, तत्परता और प्रभावी प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर देता है, और वैश्विक सहयोग को प्रेरित करता है।
- महामारी तैयारी दिवस सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और आम लोगों को जागरूक और एकजुट करने का प्रयास करता है।



### अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं

#### प्रमुख बिंदु:

- यह याद दिलाता है कि स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत और तैयार रखना महामारी के प्रभावी प्रबंधन के लिए अनिवार्य है।
- भारत में, इस दिन के तहत स्वास्थ्य मंत्रालय और अन्य एजेंसियां टीकाकरण अभियानों और चिकित्सा ढांचे में सुधार जैसे कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- इस दिन का पालन वैश्विक एकजुटता और महामारी से निपटने के लिए बेहतर रणनीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।



### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

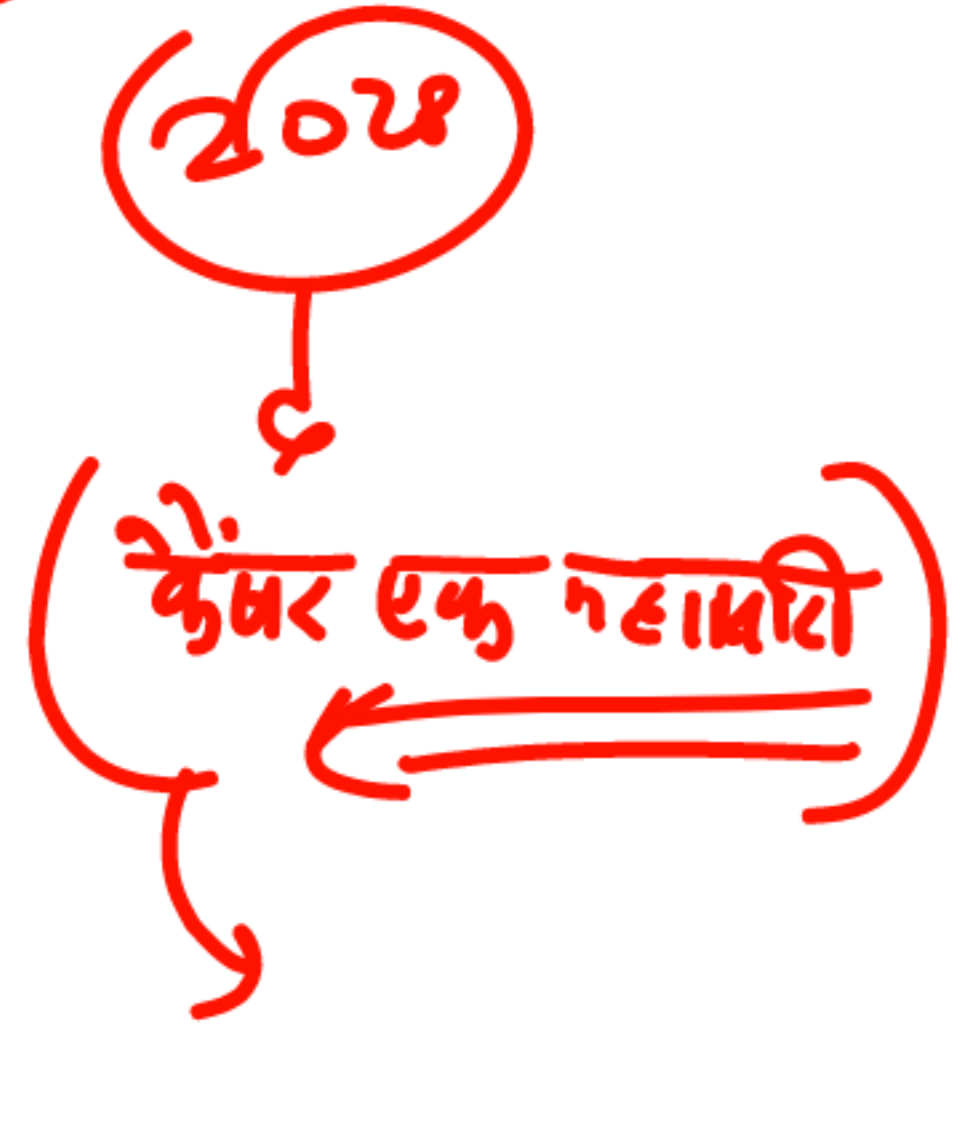
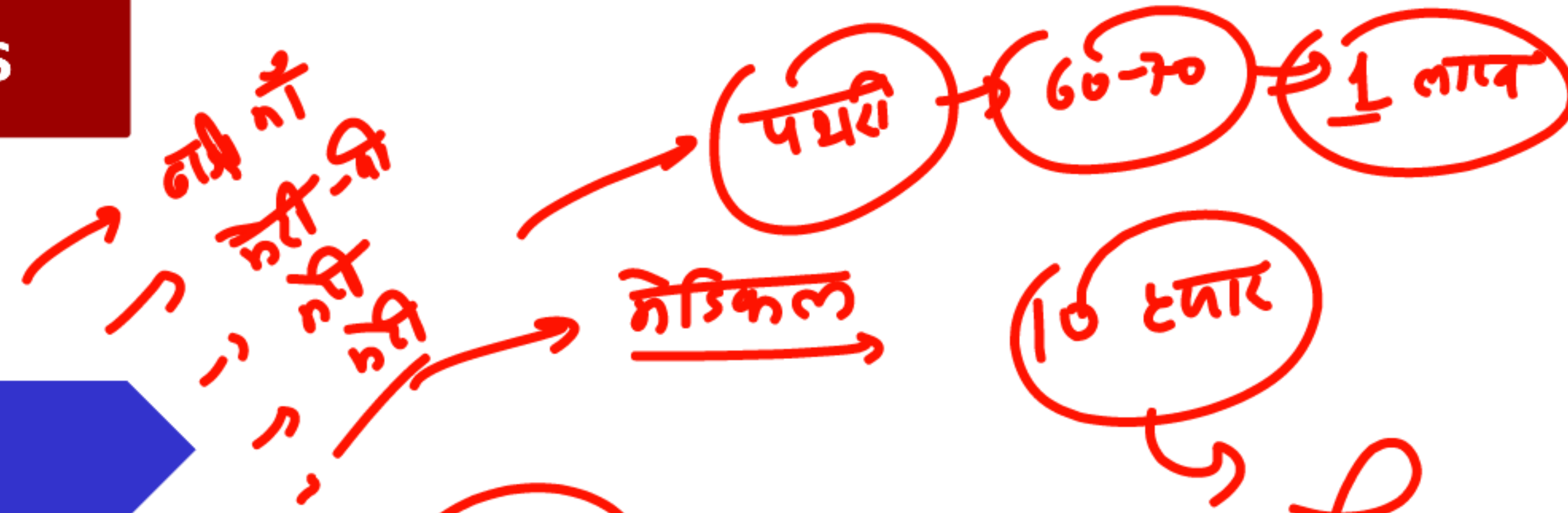
- भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र अस्पतालों, चिकित्सा उपकरणों, क्लिनिकल परीक्षाओं, आउटसोर्सिंग, टेलीमेडिसिन, मेडिकल टूरिज्म, स्वास्थ्य बीमा, और चिकित्सा उपकरणों से मिलकर बनता है।
- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के दो प्रमुख भाग हैं।
- सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHCs) स्थापित करने और कुछ शहरी क्षेत्रों में द्वितीयक व तृतीयक देखभाल केंद्र चलाने पर ध्यान केंद्रित करती है।

- अस्पताल  
चिकित्सा उपकरण  
क्लिनिकल परीक्षाएँ  
आउटसोर्सिंग



## भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

- निजी क्षेत्र मुख्य रूप से महानगरों और टियर-1 और टियर-2 शहरों में द्वितीयक, तृतीयक और चतुर्थक देखभाल सुविधाएं प्रदान करता है।
- भारत में कुशल चिकित्सा विशेषज्ञों की प्रचुरता और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं इसे प्रतिस्पर्धात्मक बनाती हैं।
- भारत में सर्जरी की लागत अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की तुलना में लगभग दसवें हिस्से के बराबर है।





### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

- कम लागत के कारण भारत में मेडिकल टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है और यह वैश्विक चिकित्सा अनुसंधान का केंद्र बनता जा रहा है।
- 2020 में भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार \$5-6 बिलियन था, जो 2026 तक \$13 बिलियन तक पहुंचने की संभावना है।
- भारत दुनिया भर के मरीजों के लिए उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का एक आकर्षक गंतव्य बन गया है।





### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

- भारत में जटिल सर्जरी उच्च गुणवत्ता वाले अस्पतालों में कम लागत पर विश्व-स्तरीय विशेषज्ञों द्वारा की जाती हैं।
- योग और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों (AYUSH) के कारण भारत वेलनेस टूरिज्म में भी लोकप्रिय है।
- भारतीय अस्पताल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को प्रबंधित करने और मरीजों को समय पर बेहतर उपचार देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर रहे हैं।



### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

- मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स (MTI) 2020-21 में भारत 46 देशों में 10वें स्थान पर है।
- भारत में 40 ज्वाइंट कमीशन इंटरनेशनल (JCI) और 1400+ NABH मान्यता प्राप्त अस्पताल हैं जो वैश्विक मानकों के अनुरूप सेवाएं प्रदान करते हैं।
- भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र 2025 तक \$50 बिलियन तक पहुंचने की संभावना है।
- डिजिटल हेल्थकेयर मार्केट 2023 तक 20% से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।



### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

- टेलीमेडिसिन बाजार 2025 तक \$5.4 बिलियन तक पहुंच सकता है।
- 2021-22 में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय GDP का 2.1% था, जो 2020-21 में 1.8% और 2019-20 में 1.3% था।
- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य ब्लूप्रिंट अगले 10 वर्षों में \$200 बिलियन से अधिक का आर्थिक मूल्य जोड़ सकता है।

(21)



### भारत में स्वास्थ्य सेवाएं:

50 बिलियन \$.

- आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स में 100% FDI की अनुमति ऑटोमैटिक रूट के तहत है।
- मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 156 देशों के नागरिकों को ई-मेडिकल वीजा सुविधा दी जा रही है।
- भारत का सर्जिकल रोबोटिक्स बाजार 2025 तक \$350 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है



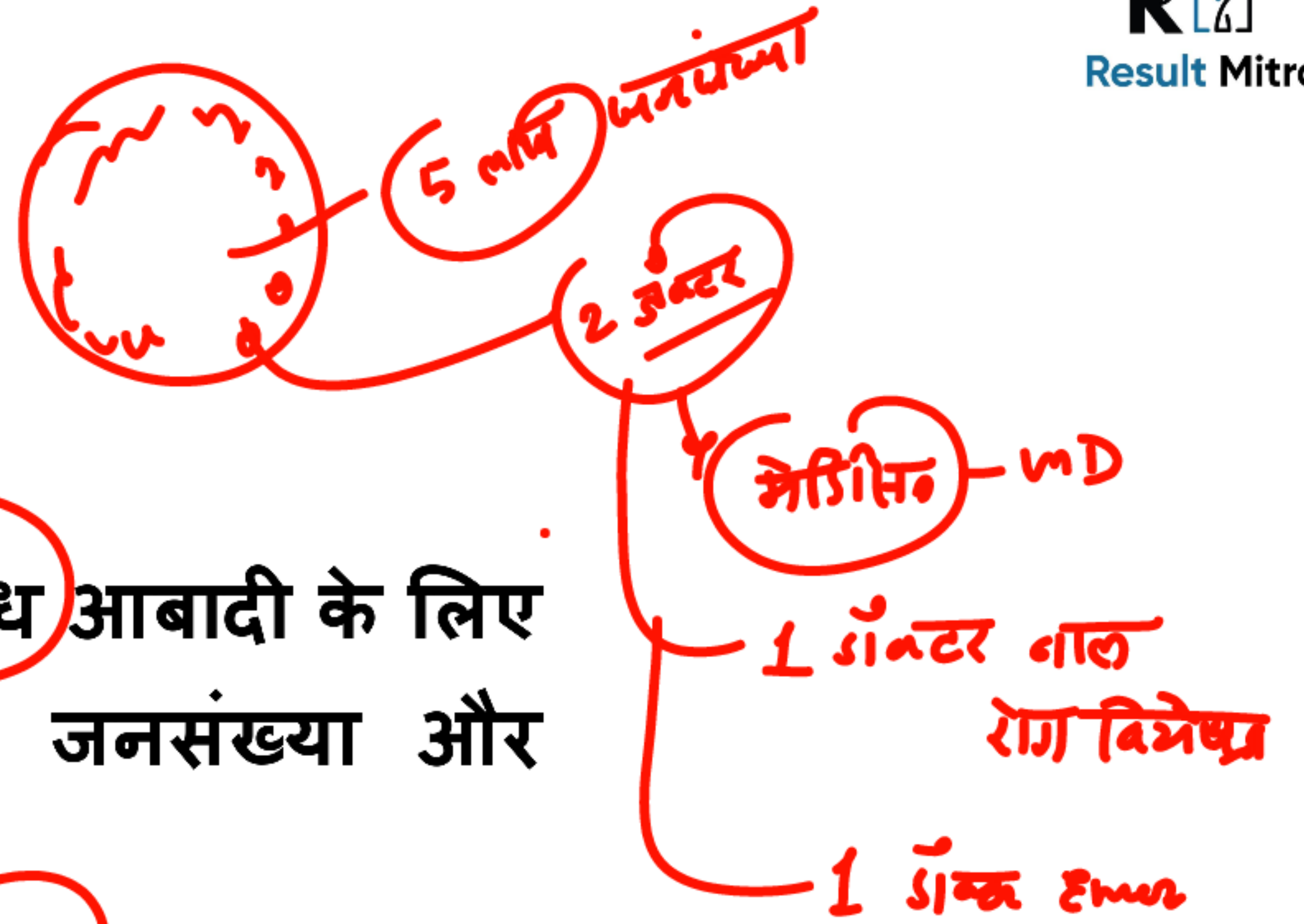
### प्रमुख चुनौतियाँ:

- **अपर्याप्त अवसंरचना:** उन्नत चिकित्सा संस्थानों और सुविधाओं की कमी; ग्रामीण क्षेत्रों में निजी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, लेकिन संसाधनों और योग्य डॉक्टरों का अभाव।
- **प्रशिक्षित जनशक्ति की कमी:** डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स और प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मियों की भारी कमी; डॉक्टर-रोगी अनुपात WHO मानक से काफी कम।



## प्रमुख चुनौतियाँ:

- जनसंख्या घनत्व और विविधता: विशाल और विविध आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में कठिनाई; वृद्ध जनसंख्या और दीर्घकालिक रोगों का दबाव।
- उच्च निजी खर्च: सार्वजनिक अस्पताल अंडरस्टाफ्ड और सुविधाहीन होने से निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भरता और भारी खर्च।
- बीमारियों का बढ़ता बोझ: संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की दोहरी चुनौती, जिससे हर साल लाखों मौतें होती हैं।





### प्रमुख चुनौतियाँ:

- डायग्नोस्टिक सेवाओं की कमी: ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता की कमी; सुविधाएँ मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों तक सीमित।
- सार्वजनिक-निजी साझेदारी के मुद्दे: समन्वय की कमी और निजी क्षेत्र को सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्यों के साथ जोड़ने की चुनौती।



भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता बनाने के लिए आवश्यक कदम:



- सार्वजनिक खर्च में वृद्धि: स्वास्थ्य पर GDP का अनुपात बढ़ाना, जो वर्तमान में अन्य BRICS देशों की तुलना में सबसे कम है।
- अवसंरचना का विकास: अस्पताल, क्लीनिक और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और उन्नयन।
- स्वास्थ्य शिक्षा और प्रशिक्षण: चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सशक्त करना ताकि कुशल स्वास्थ्यकर्मी तैयार हो सकें।





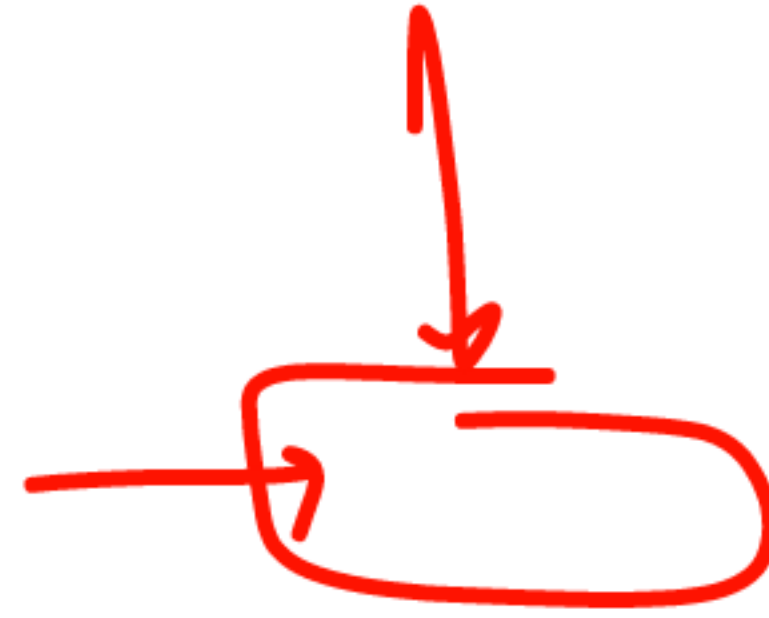
भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता बनाने के लिए आवश्यक कदम:

- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा फार्मास्युटिकल और बायोटेक कंपनियों को अनुसंधान के लिए प्रोत्साहन देना।
- टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य: ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग।
- नियामक सुधार: स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों की त्वरित स्वीकृति के लिए प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाना।



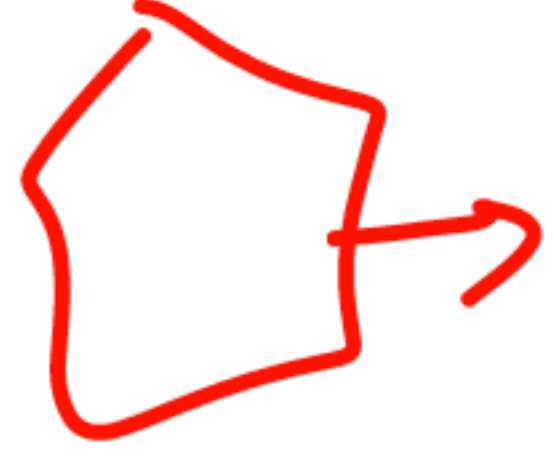
### भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता बनाने के लिए आवश्यक कदम:

- सार्वजनिक-निजी साझेदारी (PPP): सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ाना।
- स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ: सभी नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का विस्तार।
- रोग रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन: निवारक स्वास्थ्य उपायों को प्राथमिकता देना।
- गुणवत्ता मानक लागू करना: अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कठोर मानकों का पालन।
- चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना: प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करना; वीजा और यात्रा अवसंरचना में सुधार।



स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की वृद्धि के लिए सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कदम:

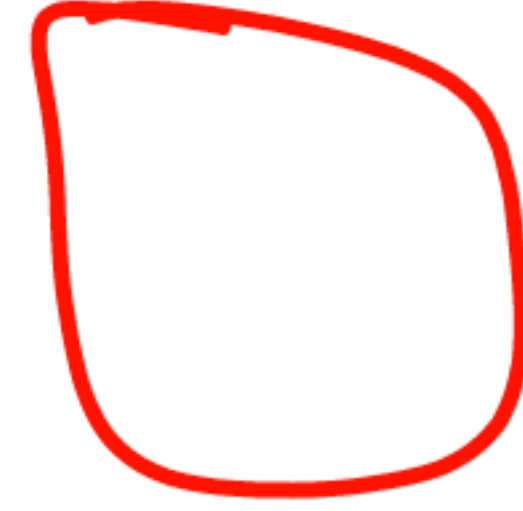
- **राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM):** ✓✓
- 2020 में शुरू।
- हेल्थ आईडी के माध्यम से नागरिकों का डिजिटल रिकॉर्ड बनाना।
- एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे का निर्माण।
- **आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY):**
- 2018 में लागू।
- 100 मिलियन से अधिक परिवारों को अस्पताल में इलाज के लिए वित्तीय सुरक्षा।
- द्वितीयक और तृतीयक देखभाल का प्रावधान।



- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017:** ✓
- **सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने का लक्ष्य।**
- **निवारक और प्रमोटिव स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर।**
- **स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (HWCs):** ✓
- **प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को व्यापक सेवाओं वाले कल्याण केंद्रों में परिवर्तित करना।**
- **निवारक देखभाल और रोग रोकथाम पर विशेष ध्यान।**



- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY):
  - तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता में वृद्धि।
  - नए एम्स (AIIMS) की स्थापना और मौजूदा मेडिकल कॉलेजों का उन्नयन।
- अनुसंधान और विकास पहल:
  - टीकों, दवाओं, और चिकित्सा तकनीकों के अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
  - स्वदेशी चिकित्सा नवाचारों का समर्थन।



- **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) अधिनियम 2019:** ✓✓
- ० चिकित्सा शिक्षा में सुधार।
- ० चिकित्सा परिषद (MCI) की जगह NMC की स्थापना। ✓✓
- ० पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा। ✓
- **जन औषधि योजना (PMBJP):**
- ० किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनरिक दवाएँ उपलब्ध कराना।
- ० जन औषधि केंद्रों का विस्तार।



### ● आगे का रास्ता:

- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच प्रभावी सहयोग बढ़ाकर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार।
- स्वास्थ्य खर्च को GDP का कम से कम 5% तक बढ़ाकर अधिक संसाधन उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के लिए टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य का अधिक उपयोग।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत हेल्थ आईडी और डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे को मजबूती से लागू करना।



- स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का विस्तार कर वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रमों को सुधारकर अधिक कुशल स्वास्थ्यकर्मी तैयार करना।
- रोग रोकथाम और निवारक उपायों को प्राथमिकता देकर स्वास्थ्य लागत को कम करना।
- उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना।





### लद्दाख का लोसर उत्सव

#### चर्चा में क्यों?

- लोसर उत्सव 20 दिसंबर से 31 दिसंबर तक लेह बाजार में मनाया जा रहा है। इस पहल से लद्दाख की परंपराओं और संस्कृति को सहेजने का प्रयास हो रहा है, साथ ही पर्यटकों के बीच सांस्कृतिक समझ बढ़ाने का मौका मिलता है।



### लद्दाख का लोसर उत्सव

#### ● प्रमुख बिंदु:

- लोसर उत्सव तिब्बती कैलेंडर के अनुसार लद्दाख में खुशी और भाईचारे के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।
- इस वर्ष, **LOHDC** लेह और संस्कृति अकादमी के सहयोग से लोसर, क्रिसमस और नए साल का भव्य आयोजन किया गया।
- 20 दिसंबर से 31 दिसंबर तक लेह बाजार में सांस्कृतिक प्रदर्शन, गायन और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।



### लद्दाख का लोसर उत्सव

- लद्दाख कला और संस्कृति अकादमी के उप सचिव त्सावांग पलजोर ने परंपराओं को समय के साथ अनुकूलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।
- इन परंपराओं को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच साझा करने से लोगों में जागरूकता और गर्व का संचार होता है। ✓
- पलजोर ने कहा कि परंपराओं का विकास और उनका समय के साथ अनुकूलन जरूरी है।
- उन्होंने बताया कि परिवर्तन का स्वागत करना चाहिए, बशर्ते वह सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप हो।



### लद्दाख का लोसर उत्सव

- लोसर उत्सव केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एकता, मानवता और पर्यावरणीय सम्मान का प्रतीक है।
- इस उत्सव के दौरान घरों की सफाई, प्रार्थना, और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मक्खन के दीये जलाए जाते हैं।
- संस्कृति अकादमी परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।
- LAHDC हेरिटेज डॉक्यूमेंटेशन पहल के तहत लेह जिले के सभी 133 गांवों की संस्कृति को दस्तावेजीकृत किया जा रहा है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

#### चर्चा में क्यों?

● 2004 की सुनामी त्रासदी को 20 साल पूरे हुए। इसे याद करते हुए अंडमान और निकोबार कमांड (HQ ANC) ने आपदा प्रबंधन और सुनामी चेतावनी प्रणालियों पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया।

#### ● प्रमुख बिंदु:

● 26 दिसंबर 2004 को 9.1 तीव्रता के भूकंप से उत्पन्न सुनामी ने इंडोनेशिया, थाईलैंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, भारत और श्रीलंका में 2,30,000 से अधिक लोगों की जान ली।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- सुनामी के कारण भारी जान-माल का नुकसान हुआ क्योंकि चेतावनी प्रणाली और जानकारी का अभाव था।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में HQ ANC ने त्रासदी के 20 साल पूरे होने पर "द्वीप दीक्षा संवाद" का आयोजन किया।
- इस कार्यक्रम ने आपदा प्रबंधन, चेतावनी प्रणाली, और भारतीय सागर क्षेत्र की रणनीतिक सुरक्षा पर चर्चा की।



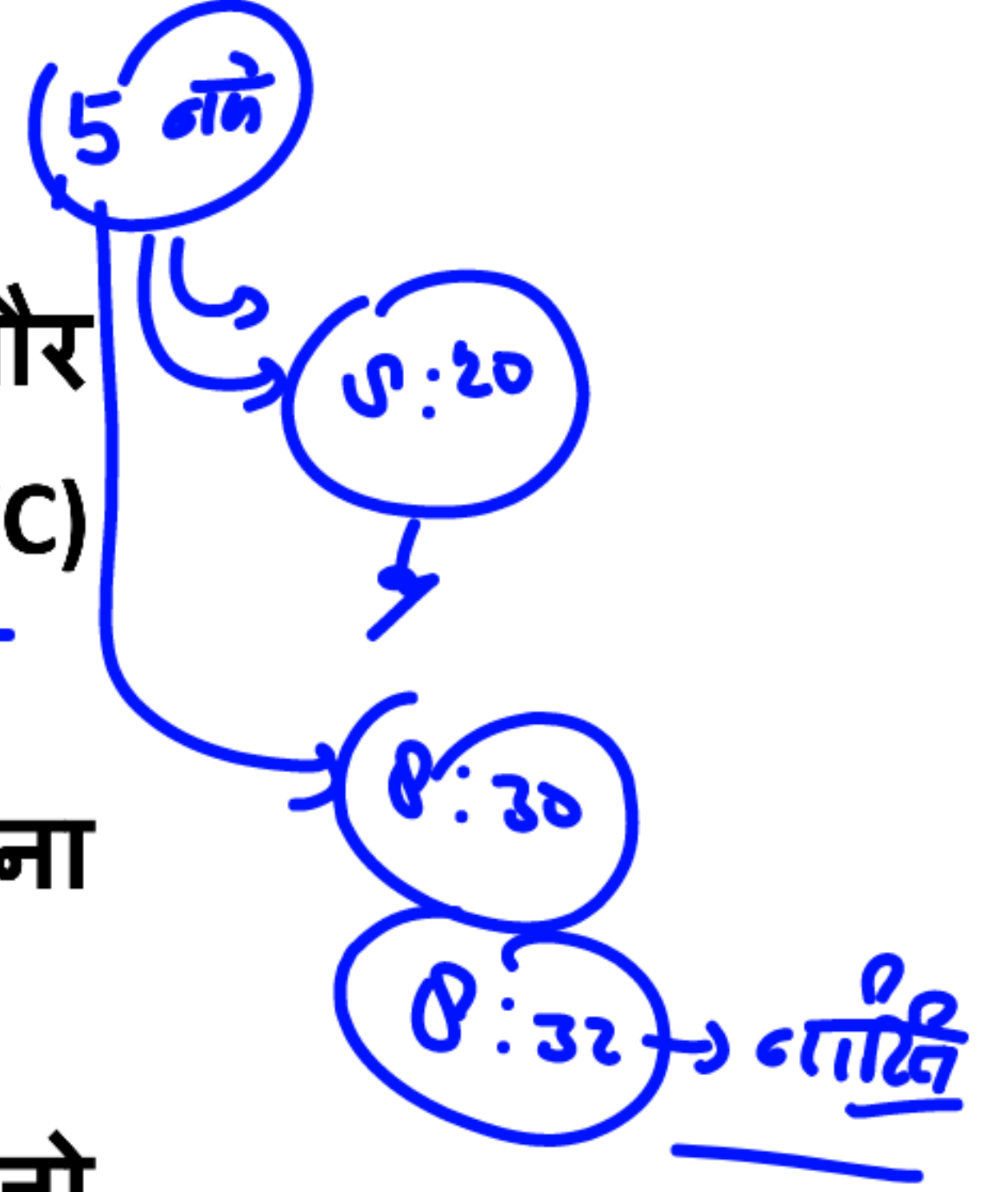
### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- कार्यक्रम में 10 भारतीय महासागर क्षेत्र देशों के अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने मानवतावादी सहायता और आपदा प्रतिक्रिया (HADR) पर ज्ञान अर्जित किया।
- भारत में सुनामी 20 मिनट के भीतर अंडमान और निकोबार पहुंच गई और 1,200 किमी की यात्रा कर 2 घंटे में चेन्नई और श्रीलंका पहुंची।
- 2004 में, भारत का सिस्मिक नेटवर्क सीमित था और देश को अंतरराष्ट्रीय डेटा पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे चेतावनी में देरी हुई।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- सुनामी के बाद 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम पारित हुआ और 2007 में हैदराबाद में इंडियन सुनामी अर्ली वार्निंग सेंटर (ITEWC) स्थापित किया गया।
- ITEWC अब 10 मिनट में सुनामी का पता लगाकर 26 देशों को सूचना प्रदान करता है।
- ओडिशा के 24 तटीय गांव अब "सुनामी तैयार" माने जाते हैं, जो प्रतिक्रिया और निकासी योजनाओं, अभ्यासों और सामुदायिक जागरूकता पर आधारित है।







### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- NDMA प्रधानमंत्री की 10 सूत्रीय आपदा न्यूनीकरण योजना के तहत सूचना प्रसार और जोखिम मानचित्रण को प्राथमिकता देता है।
- आधुनिक सेल ब्रॉडकास्ट प्रणाली की तैयारी चल रही है जो भविष्य में अन्य आपदाओं जैसे आकाशीय बिजली और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) के लिए भी उपयोगी होगी।
- HQ ANC का द्वीप दीक्षा संवाद अब वार्षिक आयोजन है और आपदा लचीलापन के लिए सशस्त्र बलों और NDMA का सहयोग महत्वपूर्ण है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

● सुनामी के बारे में:

● परिभाषा और उत्पत्ति

● सुनामी बड़े पैमाने की लहरों की श्रृंखला है, जो समुद्र के भीतर भूगर्भीय घटनाओं, जैसे भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन या क्षुद्रग्रह टकराव के कारण उत्पन्न होती है।

● यह शब्द जापानी भाषा के "त्सु" (अर्थात बंदरगाह) और "नामी" (अर्थात लहर) से लिया गया है।

● सामान्य लहरों से भिन्नता





### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- सामान्य लहरें हवा से उत्पन्न होती हैं और उनकी तरंगदैर्घ्य छोटी होती है, जबकि सुनामी भूगर्भीय घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और उनकी तरंगदैर्घ्य बहुत लंबी होती है।
- सुनामी की लहरें समुद्र तल के निकट कम गति और किनारों के पास उच्च लहर ऊंचाई प्रदर्शित करती हैं।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

#### ● सुनामी की विशेषताएँ

- लंबी तरंगदैर्घ्य: सुनामी की तरंगदैर्घ्य 500 किमी से अधिक हो सकती है, जबकि सामान्य लहरों की तरंगदैर्घ्य 100-200 मीटर होती है।
- लंबा समय अंतराल: सुनामी लहरों के बीच का समय 10 मिनट से 2 घंटे तक हो सकता है।
- उच्च गति: गहरे पानी में सुनामी की गति 890 किमी/घंटा तक हो सकती है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- लहरों की श्रृंखला: सुनामी एकल लहर नहीं होती; इसमें कई लहरें होती हैं, जिनमें से पहली लहर सबसे विनाशकारी नहीं हो सकती।
- शोलिंग प्रभाव: किनारे के पास आते ही लहरों की ऊंचाई तेजी से बढ़ जाती है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

#### ● सुनामी के कारण

- **भूकंप**: प्लेट सीमाओं पर हुए **भूकंप** विशेष रूप से सबडकशन जोन में, सुनामी उत्पन्न कर सकते हैं।
- **भूस्खलन**: तट के पास या पानी के नीचे का भूस्खलन बड़ी मात्रा में पानी विस्थापित करता है।
- **ज्वालामुखी विस्फोट**: ज्वालामुखी के विस्फोट से **विशाल** जलराशि विस्थापित हो सकती है, जिससे सुनामी उत्पन्न होती है।





### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

क्षुद्रग्रह

●क्षुद्रग्रह टकराव: दुर्लभ पर अत्यधिक विनाशकारी, समुद्र में क्षुद्रग्रह की टकराहट सुनामी उत्पन्न कर सकती है।

●●सुनामी का प्रसार और प्रभाव

●○सुनामी गहरे पानी में तेजी से यात्रा करती है लेकिन किनारे के पास धीमी हो जाती है और इसकी ऊंचाई बढ़ जाती है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- यह तटीय क्षेत्रों में भारी बाढ़ और तबाही का कारण बनती है।
- सुनामी प्रभावित क्षेत्र
- ० प्रशांत महासागर और उसके किनारे सुनामी के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्र हैं, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में भूकंपीय गतिविधियाँ होती हैं।





### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

उत्पत्ति

सिद्ध

#### ● सुनामी के प्रभाव

- जीवन और संपत्ति का नुकसान: सुनामी पूरे समुदायों को नष्ट कर सकती है।
- रोग फैलाव: बाढ़ और दूषित जल के कारण मलेरिया और अन्य बीमारियाँ फैल सकती हैं।
- पर्यावरणीय क्षति: सुनामी प्राकृतिक संसाधनों और जीव-जंतुओं को भारी नुकसान पहुंचाती है।
- आर्थिक प्रभाव: पुनर्निर्माण और सफाई कार्यों में भारी वित्तीय लागत आती है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- मानसिक प्रभाव: बचे हुए लोगों में PTSD और दीर्घकालिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं।
- सुनामी शमन(Mitigation): //
- भूकंप और सुनामी का पता लगाने के लिए सिस्मोमीटर, ज्वारीय गेज, और बाँय सिस्टम के नेटवर्क का उपयोग किया जाता है।
- तटीय समुदायों को संकेत, सामुदायिक अभ्यास और शैक्षिक सामग्रियों के माध्यम से जागरूक किया जाता है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- सुनामी चेतावनी की स्थिति में सुरक्षित निकासी मार्ग और स्थान पहचाने जाते हैं।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), INCOIS, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाता है।
- अधिक सुरक्षा के लिए निर्माण कोड और मानकों को लागू किया जाता है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- सामुदायिक-आधारित आपदा प्रबंधन और तैयारी पहलों को बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी होती है।
- भारतीय जल क्षेत्रों में सुनामी के खतरे को बेहतर समझन के लिए अनुसंधान में निवेश किया जाता है। //
- पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग किया जाता है ताकि सुनामी चेतावनी और प्रतिक्रिया से संबंधित डेटा और विशेषज्ञता साझा की जा सके।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA):**
- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) भारत की सर्वोच्च वैधानिक संस्था है, जिसे 27 सितंबर 2006 को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत स्थापित किया गया।**
- **इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं और इसमें नौ अन्य सदस्य शामिल होते हैं, जिनमें से एक उपाध्यक्ष के रूप में नामित होता है।**



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- यह अधिनियम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMAs) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMAs) के गठन की भी परिकल्पना करता है।
- SDMAs का नेतृत्व संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री और DDMAs का नेतृत्व जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट करते हैं।
- आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की होती है, लेकिन राष्ट्रीय नीति केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर समन्वित वातावरण प्रदान करती है।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

● NDMA का उद्देश्य भारत में आपदा **प्रबंधन** के लिए समग्र, प्रौद्योगिकी-संचालित और सतत विकास रणनीति लागू करना और एक सुरक्षित और आपदा-प्रतिरोधी भारत बनाना है।

#### ● कार्य और जिम्मेदारियां

- आपदा प्रबंधन पर नीतियां और **दिशानिर्देश** तैयार करना।
- राष्ट्रीय योजना को मंजूरी देना।



### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- मंत्रालयों या विभागों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को स्वीकृति देना।
- राज्य प्राधिकरणों द्वारा राज्य योजना तैयार करने के लिए दिशानिर्देश देना।
- आपदा की रोकथाम और प्रभाव को कम करने के उपायों को विकास योजनाओं में शामिल करने के लिए दिशानिर्देश देना।





### हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष

- नीतियों और योजनाओं के प्रवर्तन और कार्यान्वयन का समन्वय करना।
- शमन के लिए धन का प्रावधान करने की सिफारिश करना। ✓
- अन्य देशों को बड़ी आपदाओं के समय सहायता प्रदान करना।
- आपदा की रोकथाम, प्रभाव शमन, तैयारी और क्षमता निर्माण से संबंधित आवश्यक कदम उठाना।

# UPSC & ALL STATE PCS EXAM

**RM**<sup>TM</sup>  
Result Mitra

# DAILY CURRENT AFFAIRS

## 28 DECEMBER 2024

- ◆ अंतरराष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस एवं भारत में स्वास्थ्य सेवाएं
- ◆ लद्दाख का लोसर उत्सव
- ◆ हिन्द महासागर सुनामी के 20 वर्ष
- ◆ बल्ड इंगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया
- ◆ सरदार उधम सिंह

● LIVE 8:00 AM

Er. Ravi Mohan Sharma Sir





बाल्ड ईगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया

चर्चा में क्यों?

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिससे गंजे बाज़ (Bald Eagle) को आधिकारिक रूप से अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया।

● प्रमुख बिंदु:

● बाल्ड ईगल, सफेद सिर और पीले चोंच वाला शिकारी पक्षी, अब आधिकारिक तौर पर अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी बन गया है।



बल्ड ईगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया

### प्रमुख बिंदु:

- यह पक्षी 1782 से अमेरिका के ग्रेट सील (महर) पर मौजूद है लेकिन इसे आधिकारिक दर्जा अब मिला है।
- राष्ट्रीय पक्षी के रूप में यह विधेयक पिछले इफते कांग्रेस द्वारा पारित किया गया और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद कानून बना।
- नेशनल ईगल सेंटर के नेशनल बर्ड इनिशिएटिव के सह-अध्यक्ष जैक डेविस ने इसे पक्षी के लिए "अधिकारीकृत सम्मान" बताया।



**बल्ड ईगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया**

### प्रमुख बिंदु:

- ग्रेट सील में बाज़ के पंजों में जैतून की शाखा और तीर होते हैं, जो शांति और युद्ध का प्रतीक हैं।
- संस्थापक पिता बेंजामिन फ्रैंकलिन ने इस पक्षी के चयन का विरोध किया था, इसे "बुरे नैतिक चरित्र का पक्षी" कहा।
- इसके विपरीत, बाज़ को शक्ति, साहस, स्वतंत्रता और अमरता का प्रतीक माना गया और यह केवल उत्तरी अमेरिका में पाया जाता है।



**बाल्ड ईगल को 240 वर्षों के बाद अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया**

### प्रमुख बिंदु:

- इस कानून को मिनेसोटा के सांसदों ने बढ़ावा दिया, जहां गंजे बाज़ की बड़ी संख्या मौजूद है।
- बाल्ड ईगल 1940 के नेशनल एम्बलम एक्ट के तहत संरक्षित है, जिससे इसका शिकार और बिक्री अवैध है।
- यह पक्षी कभी विलुप्ति के कगार पर था, लेकिन 2009 के बाद से इसकी आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है।
- यह विधेयक उन 50 कानूनों में से एक है, जिन पर बाइडेन ने क्रिसमस ईव पर हस्ताक्षर किए।



### Bald Eagle के बारे में:

- इनका वैज्ञानिक नाम Haliaeetus leucocephalus है और ये Accipitridae परिवार से संबंधित हैं।
- ये मुख्यतः उत्तरी अमेरिका के जंगलों, नदियों और झीलों के किनारे पाए जाते हैं।
- इनका मुख्य आहार मछलियां, कछुए, और छोटे स्तनधारी जैसे गिलहरी और खरगोश हैं।
- ये कभी-कभी मृत जानवर खाते हैं या दूसरे पक्षियों से शिकार छीन लेते हैं।
- इनकी लंबाई लगभग 43 इंच और पंखों का फैलाव करीब 2.5 मीटर होता है।



### Bald Eagle के बारे में:

- इनका रंग गहरा भूरा होता है, सिर और पंख पर सफेद पंख होते हैं।
- ये उत्तरी अमेरिका के लिए अद्वितीय समुद्री बाज़ हैं।
- **इतिहास और पृष्ठभूमि:**
- इन्हें 1782 में अमेरिका का राष्ट्रीय प्रतीक चुना गया।
- तब लगभग 100,000 घोंसले बनाने वाले पक्षी थे।





### Bald Eagle के बारे में:

- 1800 के दशक में इनकी संख्या घटने लगी।
- 1940 के दशक में DDT का व्यापक उपयोग शुरू हुआ।
- 1963 तक केवल 417 घोंसले बनाने वाले जोड़े बचे थे।
- 1995 में संरक्षण प्रयासों से इन्हें "संकटग्रस्त" से "संकटग्रस्त स्थिति में" स्थानांतरित किया गया।
- 2007 में इन्हें संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची से हटा दिया गया।
- वर्तमान में इनकी कुल जनसंख्या लगभग 316,700 है।



### Bald Eagle के बारे में:

#### ● आवास और वितरण:

- इनका क्षेत्र मेक्सिको सीमा से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा तक फैला है।
- अलास्का में इनकी जनसंख्या बहुत अधिक है।
- अलास्का, ईस्ट और वेस्ट कोस्ट, राँकी पर्वत और मिसिसिपी नदी के पास ये सालभर देखे जा सकते हैं।
- बाकी अमेरिका में ये मुख्य रूप से सर्दियों और प्रवास के दौरान देखे जाते हैं।



### Bald Eagle के बारे में:

#### ●आहार:

- ये मछलियों को प्राथमिकता देते हैं और अवसरवादी शिकारी हैं।
- जब मछलियां उपलब्ध नहीं होतीं, तो ये छोटे पक्षियों और कृतकों का शिकार करते हैं।
- ये मृत जानवर भी खाते हैं और कभी-कभी अन्य पक्षियों जैसे ऑस्प्रे से खाना चुरा लेते हैं।



### Bald Eagle के बारे में:

#### ● जीवनचर्या:

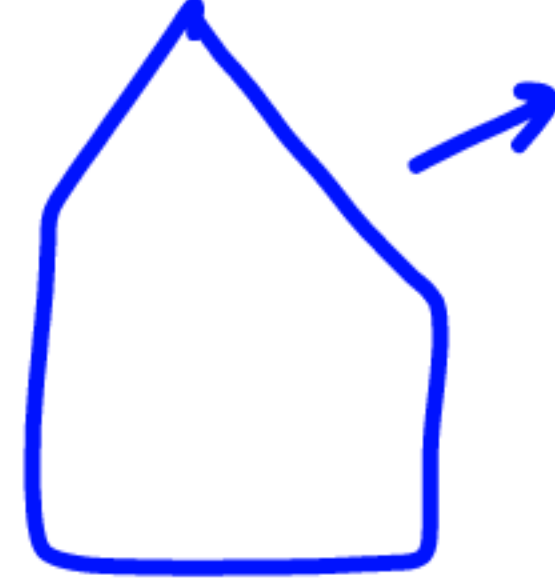
- ये अकेले रहते हैं लेकिन मोनोगैमस (एक ही जोड़ी के साथ) होते हैं।
- सर्दियों और प्रवास के दौरान अकेले रहने के बावजूद, ये हर साल एक ही जोड़ी बनाए रखते हैं।

#### ● संरक्षण स्थिति:

- IUCN के अनुसार, ये "कम चिंता" वाली प्रजातियों में आते हैं।



### Bald Eagle के बारे में:



#### ● खतरे:

- इन पर घरेलू मुर्गियों के लिए खतरा मानकर शिकार किया गया।
- 18वीं सदी में पंखों की टोपी लोकप्रिय होने से इनकी हत्या बढ़ी।
- आवास विनाश और डीडीटी (DDT) का उपयोग इनके लिए गंभीर नुकसानदायक रहा।



### सरदार उधम सिंह

#### चर्चा में क्यों?

● सरदार उधम सिंह की 125वीं जयंती पर पाकिस्तान के लाहौर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम जलियाँवाला बाग हत्याकांड के प्रतिशोध में उनकी वीरता और बलिदान को याद करने के लिए था।

#### ● मुख्य बिंदु:

● पाकिस्तान के लाहौर शहर में सरदार उधम सिंह की 125वीं जयंती पर केक काटने का आयोजन किया गया।



### सरदार उधम सिंह

- यह कार्यक्रम भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा लाहौर हाई कोर्ट के डेमोक्रेटिक लॉन में आयोजित किया गया।
- वरिष्ठ वकीलों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सरदार उधम सिंह को श्रद्धांजलि दी।
- उधम सिंह ने 1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिए 1940 में जनरल माइकल ओ'ड्वायर की हत्या की।



### सरदार उधम सिंह

- उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी थे, जो ग़दर पार्टी और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े थे।
- उनकी गिरफ्तारी के बाद, उन्हें 'राम मोहम्मद सिंह आज़ाद' नाम अपनाते हुए भारतीय धर्मों और स्वतंत्रता संग्राम की भावना का प्रतिनिधित्व किया।
- जुलाई 1940 में उन्हें हत्या के आरोप में फाँसी दे दी गई।





### सरदार उधम सिंह

- भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के प्रमुख इम्तियाज़ राशिद कुरैशी ने उधम सिंह को साहसी व्यक्ति बताते हुए उनके नाम पर स्मारक डाक टिकट और सिक्के जारी करने की माँग की।
- सुप्रीम कोर्ट के वकील राजा जुल्फरनैन और पाकिस्तान-इंडिया बिजनेस फोरम के प्रमुख नूर मुहम्मद कसूरी ने उनकी वीरता को शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने की माँग की।
- कसूरी ने एक प्रमुख सड़क का नाम उधम सिंह के नाम पर रखने की भी माँग की।



### सरदार उधम सिंह

#### ○ सरदार उधम सिंह के बारे में:

- सरदार उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपनी जान की आहुति दी।
- उधम सिंह का जीवन साहस, बलिदान और न्याय की मांग की प्रेरणा है।
- उनका जन्म 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम गाँव में हुआ था।
- उनका बचपन कठिनाइयों से भरा था, क्योंकि उनके माता-पिता का निधन जब वह बहुत छोटे थे, तब हो गया था।



### सरदार उधम सिंह

- उधम सिंह और उनके भाई-बहन अनाथ हो गए थे और उन्हें अनाथालय में भेज दिया गया था।
- जलियाँवाला बाग कांड ने उनकी पूरी सोच बदल दी, जहाँ 13 अप्रैल 1919 को जनरल डायर के आदेश पर ब्रिटिश सैनिकों ने निहत्थे भारतीयों पर गोलीबारी की थी।
- उधम सिंह उस समय केवल 20 वर्ष के थे और उन्होंने इस नरसंहार को अपनी आँखों से देखा।



### सरदार उधम सिंह

- जलियाँवाला बाग कांड ने उनके मन में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ गहरी नफरत और न्याय की भावना को जन्म दिया।
- इस घटना के बाद उधम सिंह ने जनरल डायर को सजा देने का प्रण किया और ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष की योजना बनाई।



### सरदार उधम सिंह

- उधम सिंह लंदन गए, जहाँ उन्होंने कई सालों तक जनरल डायर की हत्या की योजना बनाई।
- 13 मार्च 1940 को लंदन के काउंसिल हॉल में एक सभा के दौरान उधम सिंह ने जनरल डायर को गोली मार दी।
- जनरल डायर उस समय सभा में उपस्थित था, और वह हमले में मारा गया।
- उधम सिंह को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और ब्रिटिश अदालत में मुकदमा चलाया गया।



### सरदार उधम सिंह

- अदालत में उन्होंने अपनी कार्रवाई का पूरा कारण बताया और कहा कि यह उन्होंने जलियाँवाला बाग कांड में मारे गए निर्दोष भारतीयों के बदले में किया था।
- मुकदमे के दौरान उधम सिंह ने अपनी बात पूरी ईमानदारी से रखी और अपनी कार्रवाई को सही ठहराया।
- 31 जुलाई 1940 को उन्हें फाँसी दे दी गई।



### सरदार उधम सिंह

- उनकी शहादत ने भारतीयों को प्रेरित किया और ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष को और तेज़ किया।
- सरदार उधम सिंह को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमिट नायक के रूप में याद किया जाता है।
- उनकी बहादुरी और बलिदान को आज भी सम्मान और श्रद्धा से देखा जाता है।
- उधम सिंह का जीवन यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता के लिए किसी भी बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए।



### सरदार उधम सिंह

- उनकी शहादत भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जाती है।
- उधम सिंह ने जलियाँवाला बाग कांड के अन्याय का बदला लेने के लिए अपनी जिंदगी समर्पित की।
- उनका जीवन यह सिखाता है कि अगर मन में देशप्रेम और न्याय की भावना हो, तो किसी भी बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए।
- उनकी शहादत और संघर्ष भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायक कहानी बन चुकी है।